

अमेठी-रायबरेली सीट के लिए कांग्रेस आज फाइनल करेगी कैंडिडेट्स के नाम राहुल-प्रियंका को लेकर चर्चा तेज

केनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। बायनाड सीट के लिए कल वोटिंग होने के बाद आज कांग्रेस उत्तर प्रदेश की अमेठी और रायबरेली सीट के लिए कैंडिडेट्स का फैसला कर सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चुनाव वाले क्षेत्रों का फैटडैक लेने के लिए नई फिल्मी में अमेठी रायबरेली की पार्टी स्थानीय इकाई से मुलाकात कर सकता है। दोनों संसदीय सीटों पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है, "पार्टी प्रमुख मिलिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) लोकसभा चुनाव के लिए शेष सीटों पर चर्चा के लिए शनिवार शाम को बैठक करेगी।" इस बीच,



मतदान होना है। राहुल गांधी पहले से ही केरल की बायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

वह एक अन्य सीट, विशेष रूप से अमेठी से नामांकन दाखिल कर सकते हैं। गौरतलब है कि अगर वह आगे बढ़ते हैं तो वह इस सीट से उनका तीसरा चुनाव होगा। राहुल का तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की

सूत्र इंगानी से भी मुकाबला होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बाड़ी के लिए, अगर वह रायबरेली से नामांकन दाखिल करने के लिए आगे बढ़ती हैं, तो यह उनका पहला लोकसभा चुनाव होगा। ध्यान देने की बात ये है कि जब पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में स्मृति इंगानी ने अमेठी में राहुल गांधी को हाराया था, तब तक अमेठी और रायबरेली दोनों कांग्रेस के गढ़ बने हुए थे। स्मृति इंगानी ने 2019 में राहुल गांधी को अमेठी में 55,120 वोटों के अंतर से हाराया था। हालांकि, 2014 में कांग्रेस नेता ने इस सीट पर स्मृति इंगानी के विटाफ 1,07,903 वोटों के अंतर से जीत का दावा किया था। रायबरेली में आगामी चुनाव की आयोग द्वारा नियुक्त प्रेस्क्रिप्शन के अन्तर से वार्षिकी विद्युतीय जगरूकता के अधिकारी ने बताया कि अगर वह आगे बढ़ते हैं तो वह इस सीट से उनका तीसरा चुनाव होगा। राहुल का तीसरी कांग्रेस उम्मीदवार के लिए यह भी उतना ही चुनौतीपूर्ण मुकाबला होने वाला है। आज का दिन पशु

चिकित्सकों और पशु चिकित्सा पेशे के योद्धाओं को समानित करने और पशु स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व के बारे में जागरूकता कार्यक्रम ग्लोबल साइंस क्लब के तत्वाधान में विश्व पशु चिकित्सा दिवस के लिए समर्पित है। विश्व पशु चिकित्सा दिवस की सुरुआत 1863 में हुई थी। विश्व वेटरनरी एसोसिएशन द्वारा 2000 में पहली बार विश्व वर्ल्ड वेटरिनरी डे मनाया गया, उसके उपरान्त यह दिवस हर साल मनाया जा रहा है। विश्व के पल्ले जाति वाले नामांकन भर सकते हैं। आप पशुपालन लें मैलेरिया रोगों को सुखे और गर्म स्थान पर आगम बढ़ावे दें। मैलेरिया से बचने के लिए सबसे पहले मच्छरों से बैठने की आपूर्वदंड ग्रथ की रेसिज्म ने विशेषज्ञ थे। उन्होंने हाया नामक अयुवेद ग्रथ की रेसिज्म की वारा आयोगी और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान संस्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतिभागियों ने अपना प्रिय पशु कुत्ता बताया तथा बताया कि उसकी तथा समाज की सुरक्षा के प्रतिभागियों द्वारा जनकारी सज्जा करते हुए बताया कि प्रतिवर्ध अप्रैल माह के अंतिम शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। आज का दिन पशु

विषय है। अधिक न्याय संगत दुनिया के लिए मैलेरिया के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाना होगा। आज का दिन मैलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निवेश और निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता को उजागर करने का एक अवसर है। अगर घर के आसपास पानी इकट्ठा हो तो उस पर तेल डाल दें। जिससे बहा बहा मच्छर, नहीं पापे। बुधवार अनेक डॉक्टर से परामर्श लें। मैलेरिया रोगों को सुखे और गर्म स्थान पर आगम बढ़ावे दें। मैलेरिया से बचने के लिए सबसे पहले मच्छरों से बैठने के लिए सबसे पहले मच्छरों से बैठने की आयुवेद ग्रथ की रेसिज्म की वारा आयोगी और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तीरीय स्थान इज्जत नगर बोली में स्थित है। अधिकारी विद्युतीय जगरूकता पोस्टर प्रतियोगिता में मुस्कान और ईंशा ने उक्तष्ट प्रदर्शन किया है। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। जिसमें आयुष, छवि और रिमझिम ने क्रमशः प्रथम द्वितीय

रेल रोकने का औचित्य

जब हार्याणा सामा पर स्थित शमू रेलवे स्टेशन में जारी किसानों के आंदोलन के चलते रेल यात्रियों को बिना किसी अपराध के सजा भुगतनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर रेलवे को भी भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से रोज 40 से 50 ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों को ज्यादा समय व पैसा लगाकर अपने गंतव्य स्थानों तक जाना पड़ रहा है। रेलवे के पार्सल बुकिंग केंद्र में भी पचास फीसदी की कमी आने की बात बतायी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि किसानों की न्यायसंगत मांगों को पूरा किया ही जाना चाहिए। वे लंबे समय से आंदोलनरत रहे हैं। ऐसे में सत्ताधीशों का भी नैतिक दायित्व बनता था कि वे किसानों से बातचीत की टेबल पर बैठकर बात करते। जिससे सङ्कड़ क व रेल यातायात बाधित भी नहीं होता। वैसे किसानों को भी आंदोलन करने से पहले देशकाल-परिस्थितियों का आकलन कर लेना चाहिए था। देश इस समय चुनावी मूड में है। कोई भी सरकार किसानों से जुड़े किसी मुद्दे पर बड़ा फैसला लेने में सक्षम नहीं है। किसानों को नये जनादेश का इंतजार करके किसान आंदोलन को दिशा देनी चाहिए थी। किसानों को देश व समाज के अहसासों का भी ध्यान रखना चाहिए। कल्पना कीजिए कि रेल यात्रा करने वाले लोगों को जब अचानक सूचना मिलती है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है तो उन पर क्या बीती होगी? लोग घंटों रेलवे टिकट बुकिंग केंद्रों पर खड़े होकर अपने लिये टिकट आरक्षित करवाते हैं। कई महीने पहले एडवांस में रिजर्वेशन करवाना पड़ता है। फिर एक दिन यात्रा से ठीक पहले पता चलता है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है। आंदोलनकारियों को सोचना चाहिए कि उस ट्रेन से कोई मरीज कहीं दूर उपचार हेतु जा रहा होगा। कहीं कोई बेरोजगार नौकरी के लिये साक्षात्कार देने जा रहा होगा। हो सकता है कि सही समय पर न पहुंच पाने के कारण कई छात्र परीक्षा या नौकरी पाने से वंचित हो गए होंगे। समय-समय पर देश की शीर्ष अदालत के मार्गदर्शक फैसले आते रहे हैं कि हमें किसी आंदोलन के नाम पर नागरिक जीवन को बंधक नहीं बनाना चाहिए। यदि आंदोलनकारियों के अधिकार हैं तो आम नागरिकों के भी अपने अधिकार हैं। एक पुरानी कहावत है कि जहां से दूसरे व्यक्ति की नाक शुरू होती है, वहां पर पहले व्यक्ति की आजादी खत्म हो जाती है। यानी हमारी किसी भी तरह की आजादी का मतलब किसी की आजादी का अतिक्रमण करना नहीं हो सकता। वैसे भी एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर भी हमें सोचना चाहिए कि यातायात के साथों, वह चाहे बस हो या ट्रेन, के परिचालन में बाधा डालना एक अपराध जैसा है। ट्रेन को थामना देश के विकास के पहिये थामने जैसा ही है। हमारे कारोबार, जीवन व्यवहार, तीर्थाटन तथा सेना के आवागमन को गति देने वाली ट्रेनों को रोकना निस्संदेह, दुर्भाग्यपूर्ण ही है। निश्चित रूप से इसमें हमारे देश के नीति-नियंताओं को भी सोचना चाहिए कि आखिर क्यों किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिये रेल रोकने जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। कहीं न कहीं हमारे सत्ताधीशों के व्यवहार में व्याप्त दंभ और किसानों की मांगों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव भी इस तरह के आंदोलनों के लिये ईंधन का काम करता है। ऐसे हालात में किसानों को अभी अपने आंदोलनों के तौर-तरीकों को बदलना पड़ेगा। उन्हें हक है कि वे अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करें। लेकिन उन्हें यह हक कदापि नहीं दिया जा सकता है कि वे देश के रेल तंत्र को उप कर दें। यह देश की लोकतांत्रिक सहिष्णुता का अपमान करने जैसा भी है। अब समय आ गया है कि सभी लोग सुनिश्चित करें कि किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन से देश के सङ्कड़ क व रेल परिवहन में कोई बाधा न उत्पन्न हो। हमें अपने निहित स्वार्थों की अनदेखी करके राष्ट्रीय हितों व सरोकारों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था और सोजगार में वृद्धि, गरीबी में कमी

वे ब्रिक अर्थव्यवस्थाओं के आधारक पारदूर्य व मार्गों जेनरेटरों विकास और नई ऊंचाईयों को छूने के निरंतर संकल्प के लिए कार्यरत है। भारतीय संस्कृति की एक लंबी परंपरा है और 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित हो रहा है, जो लगातार दुनिया भर में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है। इसमें एक विशाल, युवा आबादी के साथ-साथ एक खुली, लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली भी है। यह वर्तमान में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी) है और वैश्विक आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, फिर भी अभी महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता है। दुनिया की आबादी के छठे हिस्से से अधिक के साथ भारत वैश्विक उत्पादन का बमुश्किल 7 फीसदी हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों का उसके वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक महत्व पर जबरदस्त

प्रेपान्नन द्वारा नामा के नाम परामा का उपलब्धियों का उसके पारंपरिक आधारक आर रणनीतिक नहत्व पर जबरदस्त प्रवाप हो जाएगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2035 तक एशिया की ओर अधिक से अधिक झुकने की उम्मीद है, क्योंकि भारत, चीन और आसियान देश धीमी गति से बढ़ने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिठा लेंगे। 6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भी, भारत की अर्थव्यवस्था 2017 की तुलना में दोगुनी से अधिक बड़ी होगी। क्रय शक्ति समता के संदर्भ में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2016 में 7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर लाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान जैसे प्रमुख देशों से अधिक है।

पढ़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2035 तक एशिया की ओर अधिक से अधिक झुकने की उम्मीद है, क्योंकि भारत, चीन और आसियान देश धीमी गति से बढ़ने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिटा लेंगे। 6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भी, भारत की अर्थव्यवस्था 2017 की तुलना में दोगुनी से अधिक बड़ी होगी। क्रय शक्ति समता के संदर्भ में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2016 में 7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर लाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान जैसे प्रमुख देशों से अधिक है।

परामर्शदाता ने, नारता का कानूनीजगत जापु का जाकरण एक अखंक से अधिक हो जाने की उम्मीद है, जो द

है। तीसरे चरण के लिए प्रचार अभियान जारी है। भाजपा रामलहर और मोदी के करिश्माई नेतृत्व के बल पर अबकी चरण सौ पार के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा नेतृत्व द्वारा तक विषय को परिवर्वाद व उनके शासनकाल में किए गये

अथाह भ्रष्टाचार और घोटालों को बात करके धर रहा था। उसके मुस्लिम तुष्टिकरण पर सीधा प्रहर नहीं कर रहा था किन्तु कंग्रेस के चुनावी घोषणापत्र, गहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं के कुछ आपत्तिजनक बयानों के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी भाजपा अब कंग्रेस तथा विरोधी दलों के धोर मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर आक्रामक हो गयी है। मोदी ने कंग्रेस के समय में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के भाषण और कंग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों पर चर्चा करते हुए स्वयं कंग्रेस के घोषणापत्र पर मोर्चा खोला। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार विरोधी दल कंग्रेस के घोषणापत्र को आधार बनाकर उस पर तीखा हमला बोला गया है। स्वाभाविक रूप से कंग्रेस और उसके साथी तिलमिला गए हैं और वह मुख्यधारा तथा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी पर अर्मार्डित शब्दवल्ती का प्रयोग कर रहे हैं। कंग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी की शिकायत लेकर चुनाव आयोग भी पहुंचा है। उधर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल भी गहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गया है। प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेता कंग्रेस के मुस्लिम प्रेम पर एक के बाद एक तीखा प्रहर कर रहे हैं जिससे कंग्रेस तिलमिला गई है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद

धर्म मंत्र

कलावा बदलने के सिर्फ दो दिन शे हि

जनसभा में कहा कि, लक्ष्मणस को नजर आम लोगों को महनत करना कमाई पर है, प्राप्ती पर है महिलाओं के मंगलसूत्र पर है। कंग्रेस ने द्वादश जाहिर कर दिया है कि अग्र कंग्रेस सभा में आई तो लोगों ने

इसके जाहां बर १५०४ ह १५७८ तक प्राचीनतम् रूपों ने आइ तारामा क घरों, प्रापटी और गहनों का सर्वे कराएगी फिर लोगों की कमाई कंग्रेस के पंजे में होगी। कंग्रेस की नजर देश की महिलाओं के गहनों पर है, माताओं- बहनों के मंगलसूत्र पर है, वो उसे छीन लेना चाहती है। कंग्रेस के चुनाव घोषणापत्र में उसके इरादे साफ जाहिर हो रहे हैं। अगर कंग्रेस की सरकार आई तो लोगों के बैंक एकाउंट में झाँकेगी, लॉकर खंगलेगी, जमीन -जायदाद का पता लगायेगी और फिर सबकुछ छीनकर उसे घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वालों में बांट देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि कंग्रेस यह संपत्ति उन लोगों को बांटेगी जिन्हें मनमोहन सरकार ने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इस बयान से चुनाव के मैदान में तूफान आ गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कंग्रेस को धार्मिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी धेरा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कंग्रेस ने आंध्र प्रदेश में 2004 से 2010 के बीच मुसलमानों को दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का हिस्सा काटकर उसमें से ही विशेष आरक्षण देने का भरसक प्रयास किया किंतु इसके बास्तव में पक्षी न, लक्ष्य न जाने पर यह देश का दंपत्त कर देंगे। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पिछड़े, दलित, आदिवासी, गरीब, सामान्य वर्ग के लोगों को पता चल जाएगा कि इस देश में उनकी भागीदारी कितनी है। इसके बाद हम वित्त और संस्थागत सर्वे करेंगे और यह पता लगाएं कि हिंदुस्तान का धन किसके हाथों में है और इस ऐतिहासिक कदम के बाद हम क्रांतिकारी काम शुरू करेंगे। इस बयान ने प्रधानमंत्री मोदी को रन बनाने का सुनहरा अवसर दे दिया और वे विद्युत्व को लेकर आक्रमक हो गए। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो अभी तक केवल अशेष्या, मथुरा, काशी और विशेषी दलों के माफिया प्रेम व कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे वो भी बोल पड़े, लंकांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करना चाहती है लेकिन यह देश संविधान से ही चलेगा शरिया से नहीं। योगी का कहना है कि बीजेपी को मिलने वाल एक- एक वोट करप्यू से मुक्त और बेटियों की सुरक्षा से गारंटी देता है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्ता शर्मा का बयान आता है कि कंग्रेस के घोषणापत्र पर पाकिस्तान की छाप है।



किं चन में खाना बनाते
तरह के मसालों का इ

इहाँ न सूखने हे अजवाइन जुरु से सब्जियों में तड़का लगाने के लिए अजवाइन का इसे माल होता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, प्रीबायोप्टेरिन और एंटीमाइक्रोबियल मैं दालें। आर नियम उस तरह का गुणनुको अन्य फलों में तरह, भारी भूरे पर एक गिलास गुणनुको पासी में चुटकी भूरे और एक चमचम अजवाइन दालक इस पासी से गधे करें। बालों के

हाईपोलिपिडेमिक और कई अन्य गुण पाए जाते हैं। अजवाइन का मुख्य घटक थाइमोल है, जो गैस संबंधी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा पेट में दर्द, जलन व अपच आदि कई समस्याओं को दूर करने के लिए भी अजवाइन की मदद ली जा सकती है। एसिडिटी व अपच की समस्या को दूर करने में अजवाइन किसी जादू की तरह काम करता है। इसके सेवन के लिए एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच जीरा, एक चम्मच अजवाइन और आधा चम्मच अदरक पाउडर मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो सामान्य पानी में यह तीन चीजें डालकर उबालें और हल्का ठंडा होने पर इसे छानकर पीएं। इसके अलावा हैवी मील के बाद आधा चम्मच अजवाइन पानी के साथ लेने पर पाचन में मदद मिलती है। कान में दर्द को दूर करने के जगती इन घटकों का सामान्य उपयोग है। इसके बाद आप आधा चम्मच अजवाइन का सेवन करने के लिए एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच जीरा, एक चम्मच अजवाइन और आधा चम्मच अदरक पाउडर मिलाकर इसका सेवन करें। एक महीने तक प्रतिदिन इस पानी का सेवन करें। धीर-धीर बालों का सफेद होना कम हो जाएगा। इसके बाद आप सप्ताह में दो या तीन बार इस पानी का सेवन करें। अगर आप गठिया के दर्द से राहत पाना चाहते हैं तो ऐसे में अजवाइन का इस्तेमाल करना अच्छा विचार हो सकता है। इसके लिए अजवाइन को क्रश करके उसमें थोड़ा पानी मिलाएं। अब इसे दर्द वाले स्थान पर लगाएं और कम से कम 20 मिनट के लिए छोड़ दें।

उदयपुर : राजस्थान की प्राचीन लोक परंपराएं आज भी लुभाती हैं देश-विदेश के पर्यटकों को

Rपश्चिमोत्तर में स्थित भारत गणराज्य का सबसे बड़ा राज्य है। दूर तक फैला रेगिस्तान, विशाल दुर्ग, कई पौराणिक मंदिर, रंग बिरंगे परिधान, ऊट की राजसी सवारी, प्राचीन लोक पंरपराएं और समृद्ध हस्तशिल्प इस राज्य की पहचान है। राजस्थान का कण-कण अपने अंदर एक विशाल और गौरवशाली इतिहास समेटे हुए है। ऐतिहासिक रूप से राजस्थान मेवाड़, भरतपुर, कोटा, जयपुर, बूंदी, मारवाड़, अलवर आदि रियासतों में बटा हुआ है। अरावली की अभेद्य एवं मनमोहक पर्वत श्रृंखलाओं के बीच राजस्थान का मेवाड़ राज्य स्थित है। अभूतपूर्व शौर्य, त्याग, राजपूत प्रतिष्ठा के परिचयक मेवाड़ की बीर प्रसूत भूमि ने रावल बप्पा, राणा कुम्भा, राणा सांगा, राणा प्रताप जैसे वीरों को जन्म दिया। वही यह रानी कर्णावती, रानी पदिमनी एवं राजधानी रहा। लगातार मुगालों के आक्रमणों के चलते सुरक्षित स्थान पर राजधानी स्थानांतरित किए जाने की योजना के तहत राणा उदय सिंह ने 1559 ईं में उदयपुर नगर की स्थापना की और इसे मेवाड़ की नै राजधानी बनाया। झीलों के शहर उदयपुर को 'ऐश्विया का वेनिस' भी कहा जाता है। स्थापत्य और वास्तुकला के यूं तो राजस्थान में कई उत्कृष्ट नमूने हैं लेकिन उदयपुर के सिटी पैलेस की बात ही निराली है। महाराणा उदय सिंह ने पिछोला लेक के किनारे इसका महल को बनवाया था। यह महल 23 पीढ़ियों से राजपरिवार का निवास स्थान भी है। सिटी पैलेस का कुछ हिस्सा पब्लिक के लिए खुला हुआ है, कुछ हिस्से में होटल है और कुछ हिस्सा महाराजा का निवास स्थान है। सिटी पैलेस मार्बल का बना हुआ है यह एक बड़ी-सी शिप के आकर का है। जो भागां

जाती है, फिर
हाथ पर बंधे कलावा
उसका अस्ति

बांध लेते हैं, लेकिन इसे अशुभ माना जाता है। किसी भी धार्मिक कर्म कांड शुरू होने से पहले कलावा बांधा जाता है। वैसे मांगलिक कार्यक्रमों पर 'ही दमे तंत्या' जाता है। मामा जाता है जिसे उन्हाँगे दे-

२५ वाला इस कलावा जाता है जो जाता है कि ये कलाकार ही लेखन के समय हमारा रक्षा करवच बनता है, लेकिन इस कलावा को कभी भी नहीं बदलना चाहिए। सिर्फ मंगलवार और शनिवार कलावा बदलने का शुभ दिन होता है। इसे बांधने से सकारात्मक ऊर्जा भी मिलती है। हमेशा ही ये दुविधा बनी रहती है कि पुरुष और औरतों के किस हाथ में कलावा बांधना चाहिए। पुरुषों और अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ पर और विवाहित स्त्री के बाएं हाथ पर कलावा बांधना चाहिए। कलावा बांधते समय याद रखें कि आपकी मुस्ती बंधी होनी चाहिए। कलावा को सिर्फ तीन बार ही लपेटना चाहिए। वैसे कलावा भी दो तरह के होते हैं। तीन धारों वाला और पांच धारों वाला। तीन धारों वाले कलावा में लाल, पीला और हरा रंग होता है। वहीं पांच धारों वाले कलावे में लाल, पीरा व हरे रंगे के अलावा सफेद और नीले रंग का भी धारा होता है। पांच धारों वाले कलावा को पंचदेव कलावा भी कहते हैं। वैज्ञानिक तौर पर इसकी



श्री राम स्वर्ण मेमोरियल में द्वितीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समाप्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। शनिवार को मिनी अडिटोरियम, एडमिन ब्लॉक में इन्स्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, श्री राम स्वर्ण मेमोरियल यूनिवर्सिटी में द्वितीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समाप्ति चांसलर इनी पंकज अग्रवाल, प्रो चांसलर इनी पूजा अग्रवाल, वाइस चांसलर प्रो ००० डॉ के ००० शर्मा तथा डायरेक्टर डॉ रोहित पी साबरन की गणितमयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। देशभर की ५० से अधिक टीमों के प्रतिभाग करने को मुख्य अंतिष्ठि ने एक सकारात्मक उत्थान का प्रदर्शन करार दिया तथा, वाइस चांसलर ने डॉ रोहित और उनकी टीम को लगातार सफल आयोजनों के लिए उनकी विधिक रचनात्मकता की प्रशंसा की। उपरोक्त आयोजन में १०० से अधिक गणमान्य अधिवक्ता एवं विधि प्रवक्ता जेके रूप में प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया, उपरोक्त राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को जेके के रूप में डॉ अभिमान चक्रवर्ती (इन्डिया इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एज्यूकेशन एंड रिसर्च गोवा), डॉ

अधिकारी, विधि विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ श्रुति शर्मा, डॉ पी सी मिश्रा, एवं डायरेक्टर डॉ रोहित पी साबरन रहे। वहाँ सेमिफाइनल में डॉ शहर लारिक, तथा डॉ सुशील कुमार सिंह, तीर्थीकर विश्वविद्यालय, महाविद्यालय विश्वविद्यालय, मुख्यालय जैसे जोनों ने मूल्यांकन किया, उपरोक्त राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को जेके रूप में डॉ अभिमान चक्रवर्ती (इन्डिया इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एज्यूकेशन एंड रिसर्च गोवा), डॉ

लिप्ट देने के बहाने ग्राम प्रधान/भाजपा नेता ने किया युवती से दुराचार, नहीं हुई गिरफ्तारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। दलित युवती को लिप्ट देने के बहाने सुनसान में ले जाकर भाजपा नेता व ग्राम प्रधान ने उसके साथ जबरन दुर्घट्टना कर डाला। वाइस चांसलर थाने पहुंची पीड़ित युवती ने आयोपी के खिलाफ पुलिस को नामजद तरहीर दी है। काफी टाल मटोल के बाद पुलिस ने आयोपी के खिलाफ जबरन दुर्घट्टना के बाद युवती ने बड़े गुंडे लगाए तो आयोपी भाजपा नेता व ग्राम प्रधान के खिलाफ नामजद तरहीर दी। काफी टाल मटोल के बाद पुलिस ने आयोपी के खिलाफ केस तो दर्ज किया लेकिन आयोपी के सत्ता पक्ष से जुड़े होने के उसे गिरफ्तार करने का साहस नहीं दूरी सकी। इस संबंध में सीओ फतेहपुर डॉकर बीन सिंह ने बताया कि आयोपी ग्राम प्रधान के खिलाफ जबरन दुर्घट्टना समेत एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पीड़ितों को बयान के लिए न्यायालय भेजा गया। किसी कारणवश बयान नहीं हो सके हैं।



मुख्यमंत्री धामी ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन देश-प्रदेश का नाम रोशन करने का आवान

■ राजधानी में चल रही 16वीं सब जूनियर (अंडर-14) ब्यायज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैपियनशिप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को फेरड़ागंड के बहु-दीर्घीय हॉल में रोल बाल फेडेरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 16वीं सब जूनियर (अंडर-14) ब्यायज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैपियनशिप में प्रतिभावी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड और हिमाचल के बीच आयोजित मैच का



आनंद लिया। इससे पहले सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया और खेल के क्षेत्र में देश-प्रदेश का नाम रोशन करने का आहवान किया। देशभर की 28 टीमें ले रही थीं भाग उल्लेखनीय है कि 25

से 28 अप्रैल तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस सब जूनियर (अंडर-14) ब्यायज एंड गर्ल्स नेशनल रोल बाल चैपियनशिप में देशभर की 28 टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर नेशनल रोल